वैक्विटा पॉरपॉइज़ की रक्षा के लिये आगे आया मैक्सिको

drishtiias.com/hindi/printpdf/mexico-to-take-initiative-on-protecting-vaquita-porpoises

समाचारों में क्यों ?

विदित हो कि मैक्सिको लगभग विलुप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी वैक्विटा पॉरपॉइज़ के सरंक्षण हेतु उन्हें एक खास सुरक्षा घेरे में रखने जा रहा है। हालाँकि कुछ पर्यावरणविद् मैक्सिको के इस प्रयास के विरोध में हैं, उनका कहना है कि वैक्विटा पॉरपॉइज़ वैसा जीव नहीं है जिसे कैद करके रखा जा सके। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग का सामना कर रही हमारी पृथ्वी से कई जीवों के हमेशा के लिये मिट जाने का ख़तरा मंडरा रहा है और वैक्विटा पॉरपॉइज़ ऐसा ही एक जीव है जिनकी संख्या अब लगभग 30 ही रह गई है।

वैक्विटा पॉरपॉइज़ के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य

- वैक्विटा पॉरपॉइज़ डॉल्फ़िन और व्हेल की नस्ल का ही एक समुद्री जीव है जो अमेरिका और मैक्सिको के समुद्र से लगे इलाक़ों में पाए जाते हैं।
- वर्ष 1997 में वैक्विटा पॉरपॉइज़ की तादाद पाँच सौ के आस-पास थी, वहीं 2008 में इनकी संख्या घटकर 245 रह गई और अब कहा जा रहा है कि कैलिफ़ोर्निया की खाड़ी में महज़ 30 वैक्विटा पॉरपॉइज़ ही बची हैं।
- वैक्विटा पॉरपॉइज़, डॉल्फ़िन की बहनें भी कहीं जाती हैं, यह सेटासियन नस्ल की जीव है। इस नस्ल में व्हेल, डॉल्फ़िन और दूसरी पॉरपॉइज़ भी आती हैं। अपने नस्ल की यह सबसे छोटे स्तनपायी जीव है।
- वैक्विटा पॉरपॉइज़ को अक्सर डॉल्फ़िन समझ लिया जाता है क्योंकि दोनों में ज़्यादा फ़र्क़ नहीं होता है, लेकिन डॉल्फ़िन के मुक़ाबले इनकी चोंच छोटी होती है, डॉल्फ़िन और वैक्विटा पॉरपॉइज़ के दाँतों में भी अंतर होता है। वैक्विटा पॉरपॉइज़ का आकार भी डॉल्फ़िन के मुक़ाबले काफी छोटा होता है।
- दुनिया में सुइंस या पॉरपॉइज़ की छह नस्लें पाई जाती हैं, वैक्विटा पॉरपॉइज़ इनमें से सबसे छोटी होती है।

क्यों विलुप्त हो रही हैं वैक्विटा पॉरपॉइज़?

- वैक्विटा पॉरपॉइज़ के आवास क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मछलियों के पकड़ने का कारोबार, इनके तेज़ी से विलुप्त होने की सबसे बड़ी वज़ह है। यह अक्सर मछली पकड़ने वालों के जाल में फँसकर अपनी जान गँवा बैठती हैं।
- गौरतलब है कि जिन क्षेत्रों में वैक्विटा पॉरपॉइज़ पाई जाती हैं वहाँ बड़े पैमाने पर मछलियों के पकड़ने का काम होता है और यहाँ मछलियों को पकड़ने के लिये जिलनेट नाम के जाल का ग़ैरक़ानूनी तरीक़े से इस्तेमाल होता है।
- उल्लेखनीय है कि जिलनेट जालों की वज़ह से ही चीन की यांग्त्ज़ी नदी से डॉल्फ़िन का ख़ात्मा हो गया है और आज यही ख़तरा वैक्विटा पॉरपॉइज़ पर मंडरा रहा है।